

Report on the International Seminar on "Human Values and Professional Ethics in Higher Educational Institutions"

Organised jointly by the

Post-Graduate Department of Commerce, Magadh University, Bodh Gaya

and

Indian Accounting Association, Patna Branch

Under the aegis of

Internal Quality Assurance Cell (IQAC), Magadh University

on

08 August 2024

Patron

Prof. Shashi Pratap Shahi

Hon'ble Vice-Chancellor, Magadh University, Bodhgaya

Co-Patron

Prof. B. R. K. Sinha

Hon'ble Pro Vice-Chancellor, Magadh University, Bodhgaya

Convenor

Prof. Anwar Khurshid Khan

Head, P.G. Department of Commerce, Magadh University, Bodhgaya

Co-Convenor

Dr. Dharen Kumar Pandey

Assistant Professor, P.G. Department of Commerce, Magadh University, Bodhgaya

Secretary, Indian Accounting Association, Patna Branch

Organising Secretary

Dr. Vineeta Kumari

Assistant Professor, P.G. Department of Commerce, Magadh University, Bodhgaya

Treasurer, Indian Accounting Association, Patna Branch

Rapporteur

Dr. Shweta Goel

Assistant Professor, P.G. Department of Commerce, Magadh University, Bodhgaya

Comprehensive Report

A one-day international seminar was organised jointly by the Post-Graduate Department of Commerce, Magadh University, Bodh Gaya and Indian Accounting Association, Patna Branch under the aegis of the Internal Quality Assurance Cell (IQAC), Magadh University on 08 August 2024. The seminar started with Saraswati Vandana sung by ex-student Piyush Kumar with harmonium played by PG student Ishan. The Kulgeet was sung by Dr. Vineeta Kumari with harmonium played by Ishan. Thereafter, the guests were felicitated with shawl and plants. The Convenor Prof. Anwar Khurshid Khan delivered the welcome speech. The Organising Secretary Dr. Vineeta Kumari introduced the seminar theme. The Chief Guest Prof. Pradipta Banerjee, Sidho-Kanho-Birsha University, Purulia, West Bengal said that moral values teach us to respect each other. Indian education system was a value-based system, which we gradually changed. People who conduct themselves based on their moral values not only

succeed in life but also experience their success better. No one becomes great without moral values. He appealed to everyone to understand and implement the values of life. Discussing the values contained in the Gita, Guest of Honour Prof. Chittaranjan Ojha, Ex-Head, P. G. Department of Commerce, Magadh University, Bodh Gaya said that the universality of religion makes religion beautiful. He said that the coming generation must carry forward our values and organizing this seminar fits perfectly in the current context. Dr. Rahul Nandi, Sidho-Kanho-Birsha University, Purulia, West Bengal, in his keynote address, showed the correlation between values and morality and explained how our values are effective in removing moral dilemmas. Not only the students, but also the teachers and non-teaching staff as well as the leadership of the university should reflect values and ethics. The Rapporteur Dr. Shweta Goel presented the report of all the sessions of the seminar. The seminar concluded with the vote of thanks from the Co-Convenor Dr. Dharen Kumar Pandey.

140 people from across India, Oman, Malaysia, Pakistan and Somalia registered and about 110 participated in the seminar. A total of 40 research and review papers were received, out of which 30 were presented in online and offline sessions. Apart from this, various experts also shed light on the subject matter in an online session. The online technical session was chaired by Prof. Anand S., Director, College of Banking and Financial Studies, Muscat, Oman who introduced the audience about the theme of the seminar. Further, the Resource persons, Dr. Raghavendra Prasanna Kumar, Assistant Professor, School of Business and Management, CHRIST (Deemed to be University), Dr. Rahul Kumar, Assistant Professor, Indian Institute of Management Sambalpur, Sambalpur, Dr. Gaurav Kumar, Assistant Professor, Dr. B. R. Ambedkar National Institute of Technology Jalandhar, Dr. Tejaswini, Assistant Professor, Janki Devi Memorial College, University of Delhi, Ms. Anubha Godara, Assistant Professor, Shri Ram College of Commerce, University of Delhi and Dr. Waleed M. Al-ahdal, Senior Lecturer, Universiti Malaysia Terengganu, Malaysia elaborated various sub-themes of the seminar. Mr. Varun Kumar Rai, Assistant Professor, Janki Devi Memorial College, University of Delhi and Executive Member (East Zone), Indian Accounting Association, gave the vote of thanks to the eminent guests and audience in the technical session. In another technical session chaired by Dr. Tejaswini and co-chaired by Ms. Anubha Godara, 13 papers were presented online. Both online sessions were moderated by Mr. Jatin Kumar Jaiswal and Ms. Pooja Kumari, Research Scholar, Central University of South Bihar, Gaya, Bihar.

The offline technical session was chaired by Dr. Vineeta Kumari. 17 papers were presented in the offline session. While a total of 35 participants attended the seminar in physical mode, 75 participants attended in virtual mode. Ranjan Kumar (Research Scholar, Magadh University) and Ishan (PG student, Magadh University) have been given the best paper presentation award in the offline sessions. Concomitantly, Leena (Assistant Professor, Mahila Vidyalaya Degree College, Lucknow) and Vivekanand (Teacher, Bihar Government) have been given best paper presentation award in the online sessions.

Report prepared by

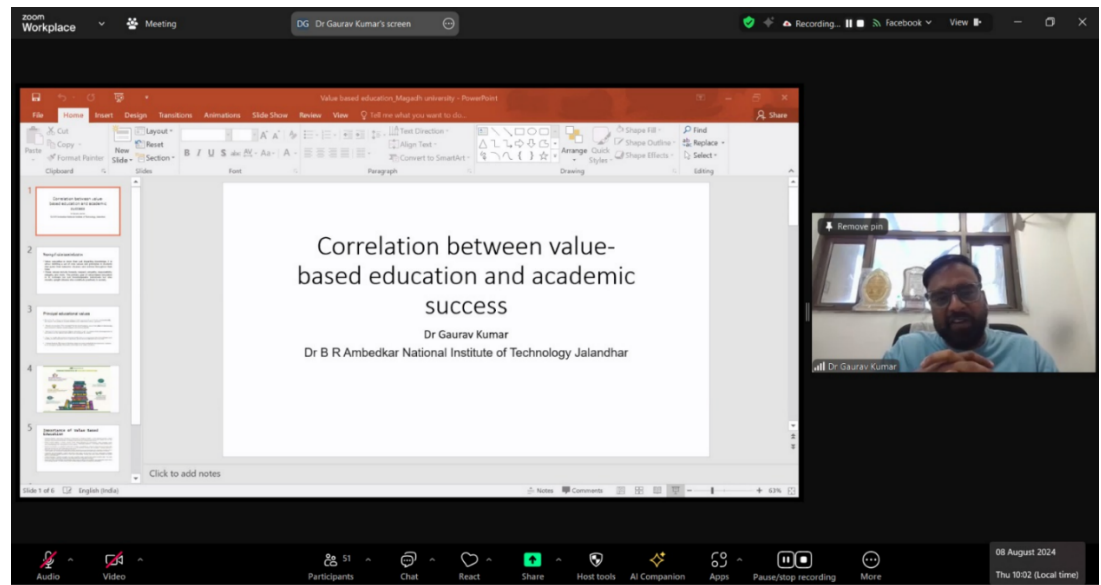
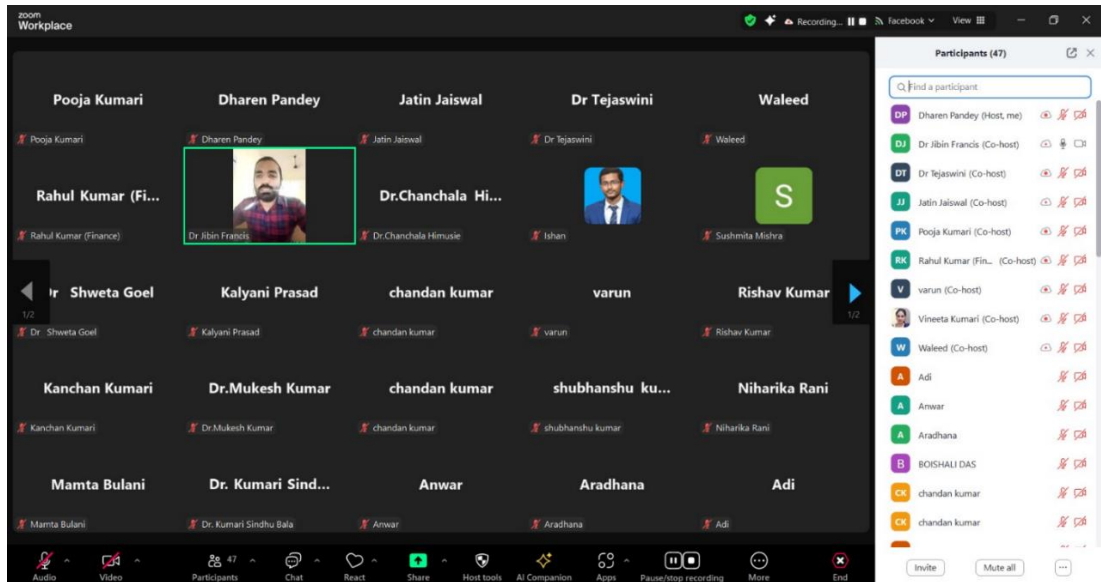
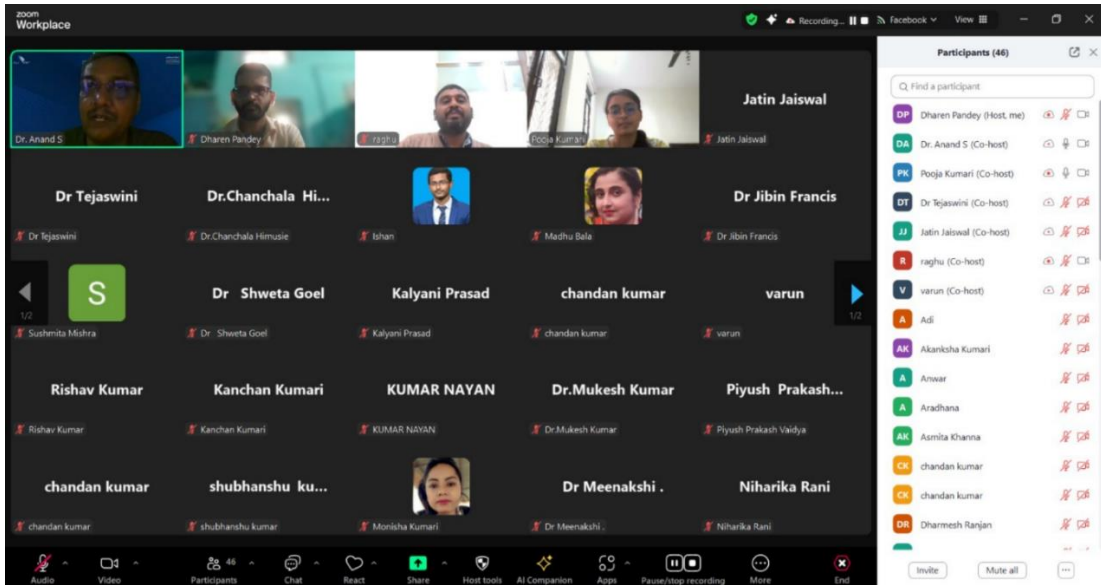
Dr. Vineeta Kumari (Organising Secretary)
Assistant Professor, P.G. Department of Commerce, MU, Bodhgaya
Treasurer, Indian Accounting Association, Patna Branch

Verified by
Prof. Anwar Khurshid Khan (Convenor)
Head, P.G. Department of Commerce, MU, Bodhgaya

Geo-tagged and regular photos:







कार्यक्रम • मगध विश्वविद्यालय कॉमर्स विभाग में संपन्न हुआ एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार

प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली मूल्यों पर आधारित प्रणाली थी : प्रो. प्रदीप्त बनर्जी

एजुकेशनरिपोर्ट | बोधगया

भारतीय शिक्षा प्रणाली मूल्यों पर आधारित प्रणाली थी, जिसे हमने धीरे-धीरे बदल दिया। जो व्यक्ति अपने नैतिक मूल्यों के आधार पर अपना आचरण रखते हैं, वह जीवन में न केवल सफल होते हैं बल्कि अपनी सफलता को बेहतर अनुभव करते हैं। मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग एवं भारतीय लेखा संघ, पटना शाखा के संयुक्त तत्वावधान में एवं आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी), मगध विश्वविद्यालय के तत्वावधान में गुरुवार को एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रो. प्रदीप्त बनर्जी ने उक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा, बिना नैतिक मूल्यों के कोई महान नहीं बनता। उन्होंने सबसे जीवन के मूल्यों को समझने एवं लागू करने की अपील की। प्रो. बनर्जी सिद्धो-कान्हो-बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल के हैं और कहा कि नैतिक मूल्य हमें एक दूसरे का सम्मान करना सिखाते हैं।

सेमिनार में भारत, ओमान, मलेशिया, पाकिस्तान, एवं सोमालिया से 140 लोगों ने पंजीकरण कराया एवं कार्यक्रम में भाग लिया। कुल 40 शोध एवं समीक्षा पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से ऑनलाइन एवं ऑफलाइन सत्रों में 30 प्रस्तुत किए गए। इसके अलावे एक ऑनलाइन सत्र में विभिन्न विशेषज्ञों ने भी विषयवस्तु पर प्रकाश डाला। आयोजन सचिव डॉ. विनीता कुमारी ने सेमिनार का विषय परिचय कराया।



अतिथि को सम्मानित करती प्राध्यापक।

17 शोधपत्र पढ़े गए

डॉ. विनीता की अध्यक्षता में एक ऑफलाइन तकनीकी सत्र में 17 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। ऑनलाइन तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. तेजस्विनी एवं सह-अध्यक्षता सुश्री अनुभा गोदरा ने की। इस सत्र में 13 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। प्रो. देवेन्द्र प्रसाद, अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. कुमारी दीपा रानी, गया कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. फ्ला लाल, डॉ. सुजीत पाठक, एवं छात्र छात्राओं, शोधार्थियों के संग अन्य लोगों ने उत्साह से भाग लिया।

धर्म की सार्वभौमिकता ही धर्म को बनाता है सुंदर

विशिष्ट अतिथि प्रो. चित्तरंजन ओझा, पूर्व विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया ने गीता में निहित मूल्यों पर चर्चा करते हुए बताया कि धर्म की सार्वभौमिकता ही धर्म को सुंदर बनाता है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को हमारे मूल्यों को आगे लेकर चलना है और इस सेमिनार का आयोजन वर्तमान परिपेक्ष्य में बिल्कुल सटीक बैठता है। डॉ. रहलु नदी, सिद्धो-कान्हो-बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल ने अपने मुख्य वक्तव्य में मूल्यों एवं नैतिकता के बीच के सहसंबंध को दर्शाते हुए बताया कि हमारे मूल्य कैसे नैतिक दुविधा को दूर करने में कारगर होते हैं। न केवल विद्यार्थी बल्कि शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मियों के साथ साथ विश्वविद्यालय के नेतृत्व में भी मूल्य एवं नैतिकता की झलक होनी चाहिए।

सेमिनार में इन्होंने लिया हिस्सा

रेपोर्टर डॉ. श्वेता गोयल ने सेमिनार के सभी सत्रों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। सह-संयोजक डॉ. धरेन कुमार पाण्डेय के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सेमिनार का समापन हुआ। ऑनलाइन तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. आनंद एस., निदेशक, कॉलेज ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंशियल स्टडीज, मस्कट, ओमान ने की, जिन्होंने सेमिनार के विषय के बारे में श्रोताओं को परिचित कराया। इसके अलावा, संसाधन व्यक्ति, डॉ. राघवेंद्र प्रसन्न कुमार, सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट, क्राइस्ट विश्वविद्यालय, डॉ. राहुल कुमार, सहायक प्रोफेसर, भारतीय प्रबंधन संस्थान संबलपुर, संबलपुर, डॉ. गौरव कुमार, सहायक प्रोफेसर, डॉ. बीआर अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जालंधर, डॉ. तेजस्विनी, सहायक प्रोफेसर, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, अनुभा गोदरा, सहायक प्रोफेसर, श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय और डॉ. वलीद एम. अल-अहदल, वरिष्ठ व्याख्याता, यूनिवर्सिटी मलेशिया टेरंगानु, मलेशिया ने सेमिनार के विभिन्न उप-विषयों पर विस्तार से चर्चा की। सत्र का संचालन जतिन कुमार जायसवाल और पूजा कुमारी, शोधार्थी, दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय, गया, बिहार ने किया। वरुण कुमार राय, सहायक प्रोफेसर, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय ने तकनीकी सत्र में प्रमुख अतिथियों और दर्शकों को धन्यवाद दिया।

मगध विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का हुआ आयोजन, सरस्वती वंदना से हुई शुरुआत

नैतिक मूल्यों के बिना कोई व्यक्ति महान नहीं बनता: प्रो. प्रदीप बनर्जी

सेमिनार

गया, कार्यालय संवाददाता। मगध विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग, भारतीय लेखा संघ, पटना शाखा के संयुक्त तत्वावधान व आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एमयू के तत्वावधान में गुरुवार को एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। ऑनलाइन व ऑफलाइन के माध्यम से आयोजित सेमिनार में भारत, ओमान, मलेशिया, पाकिस्तान व सोमालिया से 140 लोगों ने पंजीकरण कराया। कुल 40 शोध पत्र प्राप्त हुए।

ऑफलाइन सत्र की शुरुआत छात्र पीयूष कुमार व ईशान ने सरस्वती वंदना से की। संयोजक प्रो. अनवर खुशीद खान ने अतिथियों का स्वागत किया। आयोजन सचिव डॉ. विनीता कुमारी ने सेमिनार का विषय परिचय कराया। बतौर मुख्य अतिथि सिद्धो-कान्हो-बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल के प्रो. प्रदीप बनर्जी ने कहा कि नैतिक मूल्य हमें एक दूसरे का सम्मान करना सिखाता है। भारतीय शिक्षा प्रणाली मूल्यों पर आधारित प्रणाली थी, जिसे हमने धीरे धीरे बदल दिया, जो व्यक्ति अपने नैतिक मूल्यों के आधार पर

भारत, ओमान, मलेशिया, पाकिस्तान, सोमालिया से 140 लोगों ने कराया पंजीकरण ऑनलाइन और ऑफलाइन के माध्यम से सेमिनार लिया भाग



स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग व भारतीय लेखा संघ, पटना शाखा के संयुक्त तत्वावधान आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार शामिल डॉ. विनीता कुमारी, डॉ. राहुल नंदी व प्रो. प्रदीप बनर्जी

अपना आचरण रखते हैं वह जीवन में केवल सफल होते हैं बल्कि अपनी सफलता को बेहतर अनुभव करते हैं। नैतिक मूल्यों के बिना कोई महान नहीं बनता। विशिष्ट अतिथि प्रो. चितरंजन ओझा, पूर्व विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग, एमयू ने कहा

धर्म को सार्वभौमिकता ही धर्म को सुंदर बनाता है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को हमारे मूल्यों को आगे ले कर चलना है और इस सेमिनार का आयोजन वर्तमान परिपेक्ष्य में बिल्कुल सटीक बैठता है। डॉ. राहुल नंदी, सिद्धो-कान्हो-बिरसा विश्वविद्यालय,

पुरुलिया, पश्चिम बंगाल ने कहा कि न केवल विद्यार्थी बल्कि शिक्षक एवं शिक्षाकेतव्य कर्मियों के साथ साथ विश्वविद्यालय के नेतृत्व में भी मूल्य एवं नैतिकता की झलक होनी चाहिए। डॉ. श्वेता गोयल ने सेमिनार के सभी सत्रों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। सह-संयोजक डॉ. धरेन कुमार पाण्डेय के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सेमिनार का समापन हुआ। ऑनलाइन तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो. आनंद एस, निदेशक, कॉलेज ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंशियल स्टडीज, मस्कट, ओमान ने की, जिन्होंने सेमिनार के विषय के बारे में श्रोताओं को परिचित कराया। भारत, ओमान, मलेशिया, पाकिस्तान, सोमालिया से 140 लोगों ने कराया पंजीकरण कराया।

डॉ. विनीता की अध्यक्षता में ऑफलाइन तकनीकी सत्र में 17 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। ऑनलाइन तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. तेजस्विनी ने की इस सत्र में 13 शोधपत्र प्रस्तुत किए गए। सेमिनार में सेवानिवृत्त प्रध्यापक प्रो. देवेन्द्र प्रसाद, अर्थशास्त्र विभाग की डॉ. कुमारी दीपा रानी, गया कॉलेज के सहायक प्रध्यापक डॉ. पन्ना लाल, डॉ. सुजीत पाठक, एवं छात्र छात्राओं, शोधार्थियों के साथ अन्य लोग शामिल हुए।

नैतिक मूल्य हमें एक-दूसरे का सम्मान करना सिखाते हैं

□ एमयू में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

वरीय संवाददाता, बोधगया

मगध विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर वाणिज्य विभाग एवं भारतीय लेखा संघ पटना शाखा के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार में भारत, ओमान, मलेशिया, पाकिस्तान एवं सोमालिया से 140 लोगों ने पंजीकरण कराया एवं कार्यक्रम में भाग लिया। कुल 40 शोध एवं समीक्षा पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से ऑनलाइन एवं ऑफलाइन सत्रों में 30 प्रस्तुत किये गये। इसके अलावा एक ऑनलाइन सत्र में विभिन्न विशेषज्ञों ने भी विषय वस्तु पर प्रकाश डाला। सेमिनार की शुरुआत में छात्र पीयूष कुमार एवं ईशान ने सरस्वती वंदना किया।

डॉ विनीता कुमारी ने कुलगीत प्रस्तुत किया। संयोजक प्रो अनवर खुशीद खान ने अतिथियों का स्वागत एवं परिचय दिया। आयोजन सचिव डॉ विनीता कुमारी ने सेमिनार का विषय परिचय कराया। मुख्य अतिथि प्रो



कार्यक्रम में शामिल अतिथि.

प्रदीप बनर्जी, सिद्धो-कान्हो-बिरसा विश्वविद्यालय, पुरूलिया, पश्चिम बंगाल ने कहा कि नैतिक मूल्य हमें एक दूसरे का सम्मान करना सिखाते हैं। भारतीय शिक्षा प्रणाली मूल्यों पर आधारित प्रणाली थी, जिसे हमने धीरे-धीरे बदल दिया। जो व्यक्ति अपने नैतिक मूल्यों के आधार पर अपना आचरण रखते हैं वह जीवन में न केवल सफल होते हैं। बिना नैतिक मूल्यों के कोई महान नहीं बनता। उन्होंने सबसे जीवन के मूल्यों को समझने एवं लागू करने की अपील की। विशिष्ट अतिथि प्रो चितरंजन ओझा, पूर्व विभागाध्यक्ष, स्नातकोत्तर

वाणिज्य विभाग, मगध विश्वविद्यालय ने गीता में निहित मूल्यों पर चर्चा करते हुए बताया कि धर्म की सार्वभौमिकता ही धर्म को सुंदर बनाती है। उन्होंने कहा कि आने वाली पीढ़ी को हमारे मूल्यों को आगे ले कर चलना है और इस सेमिनार का आयोजन वर्तमान परिपेक्ष्य में बिल्कुल सटीक बैठता है। डॉ राहुल नंदा, सिद्धो-कान्हो-बिरसा विश्वविद्यालय ने अपने मुख्य वक्तव्य में मूल्यों एवं नैतिकता के बीच के सहसंबंध को दर्शाते हुए बताया कि हमारे मूल्य कैसे नैतिक दुविधा को दूर करने में कारगर होते हैं। सह संयोजक डॉ धरेन कुमार पाण्डेय के धन्यवाद

ज्ञापन के साथ सेमिनार का समापन हुआ। ऑनलाइन तकनीकी सत्र की अध्यक्षता प्रो आनंद एस, निदेशक, कॉलेज ऑफ बैंकिंग एंड फाइनेंशियल स्टडीज, मस्कट, ओमान ने की, जिन्होंने सेमिनार के विषय के बारे में श्रोताओं को परिचित कराया। इसके अलावा, संसाधन व्यक्ति डॉ राघवेंद्र प्रसन्न कुमार, सहायक प्रोफेसर, स्कूल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट, क्राइस्ट विश्वविद्यालय, डॉ राहुल कुमार, सहायक प्रोफेसर, भारतीय प्रबंधन संस्थान संबलपुर, संबलपुर, डॉ गौरव कुमार, सहायक प्रोफेसर, डॉ बी आर. अंबेडकर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जालंधर, डॉ तेजस्विनी, सहायक प्रोफेसर, जानकी देवी मेमोरियल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, अनुभा गोदारा, सहायक प्रोफेसर, श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय और डॉ वलीद एम. अल-अहदल, वरिष्ठ व्याख्याता, यूनिवर्सिटी मलेशिया टेरंगुनु, मलेशिया ने सेमिनार के विभिन्न उप-विषयों पर विस्तार से चर्चा की।



सेमिनार में 30 शोधपत्र किए गए प्रस्तुत

जासं, बोधगया: मगध विश्वविद्यालय वाणिज्य विभाग एवं भारतीय लेखा संघ, पटना शाखा व आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आइक्यूएसी) के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को आनलाइन सेमिनार का आयोजन किया गया। इसमें भारत, ओमान, मलेशिया, पाकिस्तान एवं सोमालिया से 140 लोगों ने भाग लिया। इनमें से आनलाइन एवं आफलाइन सत्रों में 30 प्रस्तुत किए गए। सेमिनार को शुरूआत छात्र पीयूष कुमार एवं ईशान ने सरस्वती वंदना से की। डा. विनीता कुमारी ने कुलगीत प्रस्तुत किए। संयोजक प्रो अनवर खुर्शीद खान ने अतिथियों का स्वागत एवं परिचय दिया। आयोजन सचिव डा. विनीता कुमारी ने सेमिनार का विषय परिचय कराया। मुख्य अतिथि प्रो प्रदीप बनर्जी, सिद्धो-कान्हो-बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल ने कहा कि नैतिक मूल्य हमें एक दूसरे का सम्मान करना सिखाते हैं। भारतीय शिक्षा प्रणाली मूल्यों पर आधारित प्रणाली थी, जिसे हमने धीरे-धीरे बदल दिया। विशिष्ट अतिथि प्रो. चितरंजन ओझा, पूर्व विभागाध्यक्ष ने गीत में निहित मूल्यों पर चर्चा करते हुए बताया कि धर्म की सार्वभौमिकता ही धर्म को सुंदर बनाता है। डा. राहुल नंदी, सिद्धो-कान्हो-बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल, डा. श्वेता गौयल ने सेमिनार के सभी सत्रों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। सह-संयोजक डा. धरेन कुमार पांडे धन्यवाद ज्ञापित किया।